सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-8	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:2 (मौसी पपीते वाली)

मौखिक (बोलकर)

(क) अमृतयान को उसके मित्र जित्तन का एक पत्र आया था, जिसमें उसने बस्तर के जंगलों की प्रशंसा लिखी थी और उसे बस्तर आने का निमंत्रण दिया था। अमृतयान ने इससे पहले बस्तर नहीं देखा था इसलिए वह बस्तर गया था।

(ख) कालिंदी प्रतिदिन अपने साथ कविता को अपने घर ले जाती और फिर शाम के समय उसे वापस छोड़ जाती। यह उसका रोज़ का नियम बन गया था।

(ग) धुआँधार बारिश में भी कालिंदी पपीते बेचने इसलिए आई थी क्योंकि एक तो स्कूल के बच्चे उसकी राह देखते, दूसरा कविता को देखे बिना उसे चैन नहीं पड़ता।

(घ) कालिंदी की बात सुनकर देवयानी को इस बात का पछतावा हुआ कि उसने रात में कालिंदी को बिना सोचे-समझे बहुत ही बुरा-भला कहा था।

लघु उत्तरीय प्रश्न/ उत्तर

क) पपीतेवाली फल बेचने वाली महिला थी। उसका नाम कालिंदी था। वह कुछ मील दूर नदी पार एक गाँव में रहती थी।

ख) कालिंदी को कविता से विशेष इसलिए था क्योंकि उसकी एक बेटी थी जो बिल्कुल कविता जैसी ही थी।

ग) कविता के गायब होने पर देवयानी को लगता है कि वह पपीते के पैसे भी इसीलिए नहीं लेती थी। अब उसने मेरी बेटी के रूप में सारा हिसाब कर लिया।

घ) कालिंदी कविता को अपने गाँव इसलिए लेकर गई थी क्योंकि वह कई दिनों से कालिंदी का गाँव देखने की ज़िद कर रही थी। तेज़ बारिश होने के कारण कालिंदी को रात में कविता को अपने घर ही रखना पड़ा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) कालिंदी को कविता से इतना लगाव इसलिए हो गया था क्योंकि उसे वह अपनी बेटी की तरह ही लगती थी। हमारे विचार से उसकी बेटी की याद ही उस लगाव का मुख्य कारण था। वैसे तो कालिंदी को सभी बच्चों से बहुत प्यार था इसलिए वह बारिश में भी स्कूल के बच्चों के लिए पपीते लेकर आई थी। परंतु कविता से इतना स्नेह होने का मुख्य कारण यही था कि उसमें उसे अपनी मृत बेटी की झलक दिखाई पड़ती थी और उसका अकेलापन दूर होता था।

(ख) कालिंदी और कविता आपस में बहुत घुल-मिल गई थीं। एक दिन जब कालिंदी घर जा रही थी तो कविता भी उसके साथ चल दी। जब कालिंदी ने अमृतयान और देवयानी से पूछा कि इसे मैं अपने साथ ले जाऊँ, तो वो दोनों मना न कर सके। हमारे विचार से कालिंदी का दुख जानकर तथा कविता का उसके प्रति स्नेह देखकर ही वे दोनों मना नहीं कर सके होंगे। हमें लगता है, इस तरह किसी भी अनजान के साथ बच्चों को अकेले जाने की अनुमति देने का निर्णय सही नहीं है।

(ग) यह पंक्ति उस समय की है, जब अमृतयान कालिंदी को उसके पपीते के पैसे देने की बात कहता है। तब कालिंदी नाराज होकर कहती है कि यदि आपको पैसे ही देने हैं तो उन तमाम कहानी किस्सों के दीजिए, जो मैं रोज कविता को सुनाती थी। उस प्यार-दुलार के दीजिए जो मैं रोज कविता पर लुटाती रही। तब अमृतयान को अपनी गलती का एहसास

होता है और उसे लगता है कि प्यार दुलार की कीमत दुनिया में कोई नहीं चुका सकता। क्योंकि प्यार-दुलार अनमोल है, उसका कोई मूल्य है ही नहीं जो चुकाया जा सके।

(घ) नहीं, यदि हम कालिंदी की जगह होते तो हम बिना बताए कविता को गाँव नहीं ले जाते क्योंकि कविता तो एक छोटी बच्ची है जो इस बात से अनजान है कि मेरे गाँव जाने की ज़िद के बाद मेरे माता-पिता का क्या हाल होगा? उसे तो किसी और दिन उसके माता-पिता से पूछकर ले जाने की बात करके बहलाया-फुसलाया जा सकता था पर इस तरह बिना बताए ले जाने से उसके माता-पिता को जो कष्ट हुआ वह वाकई गलत था।

पठित गद्यांश

(क) मौसी पपीतेवाली/देवेंद्र सत्यार्थी

(ख) अमृतयान पुलिस की मदद इसलिए लेना चाहता था क्योंकि रात बीत चुकी थी और अभी तक कालिंदी उसकी बेटी को लेकर वापस नहीं आई थी।

(ग) अमृतयान को इस बात का पूरा विश्वास था कि कालिंदी जरूर लौट कर आएगी।

(घ) धीरज बंधाना- श्याम मन ही मन अपने आप को धीरज बंधा रहा था कि उसकी

माँ जरूर लौटकर आएगी।

(ङ) अमृतयान देवयानी को सांत्वना दे रहा था।

(च) रात दिन, विश्वास - अविश्वास

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. (क) (iv) ख (i) ग (ii) घ (ii)

2. (क) प्यार-दुलार (ख) नदी पार (ग) पपीते (घ) मौसी

3. क) × ख) ✓ ग)× घ)×